Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding road accidents and traffic restrictions in Kashmir.

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग) : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार की तवज्जो कल किश्तवाड़ में हुए ट्रैफिक हादसे की तरफ दिलाना चाहता हूं । इस ट्रैफिक हादसे में 36 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 17 महिलाएं और 11 बच्चे हैं । इससे 6 दिन पहले मुगल रोड पर एक और हादसा हुआ, जिसमें 9 बच्चियां जिंदगी से हाथ धो बैठीं और इससे पहले रामबन में हादसा हुआ था । पिछले चार महीनों में 1600 के करीब ट्रैफिक हादसे जम्मू-कश्मीर में हुए हैं । इनमें से ज्यादातर नेशनल हाईवे पर हुए हैं । क्या वजह है कि ट्रैफिक हादसों में इस हद तक बढ़ोतरी हुई है? सड़कों की हालत बदतर है और जो ट्रैफिक का निजाम चलाने वाले हैं, उनका कहीं नामोनिशान नहीं है । मैं चाहूंगा कि सरकार इस बारे में एक बयान दे कि कब तक बनिहाल-काजीकुंड टनल मुकम्मल होगी, कब तक रामबन और बनिहाल सैक्टर ट्रैफिक के माफिक बनाया जाएगा ।

इसके अलावा, मैं खासतौर से यह तवज्ज़ो दिलाना चाहता हूँ कि पूरे कश्मीर ने अभी अमरनाथ यात्रा का अभिनन्दन किया, इतक़बाल किया । अमरनाथ यात्रा के लिए तो सिक्योरिटी के इंतज़ाम करने ही हैं, लेकिन उस हद तक न किये जाएँ, जिससे लोकल पॉपुलेशन को असुविधा हो और उनकी रोज़ी-रोटी मुतास्सिर हो ।

मेरी यह गुज़ारिश है कि उनको सीमित रखा जाए । कंसर्न अपनी जगह पर है, वह रीजनेबल कंसर्न है, लेकिन उस हद तक न हो, जैसे बेज़बाड़ा-पहलगाम रोड को बंद किया गया है और जो नेशनल हाइवे है, उस पर भी आमद-रफ़्त पर रेस्ट्रिक्शंस लगाए गए हैं । वह तो कश्मीर की लाइफलाइन है । अगर उस पर रेस्ट्रिक्शंस लगाए जाएंगे, तो उससे छोटे जमींदार और छोटे कारोबारी प्रभावित होंगे । मैं चाहूँगा कि सरकार इस बारे में कोई कदम उठाए ।